

SACRED HEART CATHEDRAL

1, Ashok Place, New Delhi - 110001 ☎ 23363593/23347304

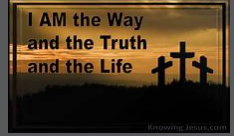


sacredheartcathedralnewdelhi@gmail.com

www.fb.com/shcdca



www.sacredheartcathedraldelhi.org



Message by Parish Priest

EVANGELII GAUDIUM

6) कुछ मसीही जन ऐसे भी हैं जो सदा चालीसा में ही बगैर ईस्टर के जीते हैं। मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि जीवन में आनन्द हर समय एक ही प्रकार से व्यक्त नहीं किया जा सकता, विशेष रूप से कठिनाई के क्षणों में। आनन्द परिस्थिति के अनुकूल बदलता है और रूपान्तरित होता रहता है। परन्तु वह सदैव स्थिर रहता है, टिमटिमाती रोशनी जैसे, जो हमारी व्यक्तिगत इस निश्चयता से जन्म लेती है कि हमें परमेश्वर का असीम प्रेम प्राप्त करने पड़ते हैं। फिर भी बड़ी व्यथा के बीच, हम सभी को धीरे-धीरे परन्तु निश्चित रूप से यह प्रयास करना है कि हमारे विश्वास का आनन्द धीरे-धीरे चुपचाप परन्तु दृढ़ विश्वास के रूप में जागृत हो उठे। “मेरी आत्मा सुख-शान्ति से वंचित हो गई, मैं यह भूल गया कि भलाई क्या होती है। परन्तु मैं अपने हृदय में यह स्मरण करता हूँ अतः मेरी यह आशा नहीं टूटती, प्रभु की करुणा निरंतर बनी रहती है, उसकी देया अनन्त है। रोज सबेरे उसमें नए अंकुर फटते हैं; उसकी सच्चाई अपार है। यह मनुष्य के हित में है कि वह शान्ति से प्रभु के उद्धार की प्रतीक्षा करें” (शोक गीत 3:17,21-23, 26)। 7) कभी-कभी हम बहाने ढूँढ़ने के प्रलोभन में पड़ जाते हैं, शिकायत करते हैं और ऐसा व्यवहार करते हैं कि हम तभी प्रसन्न हो सकते हैं, जब हमारी हज़ारों मांगें हो जाएँ। कुछ सीमा तक इसका कारण यह है, कि हमारा “तकनीकी समाज सुख-सुविधाओं के अनेक अवसर प्रदान करने में सफल तो हो गया है; परन्तु आनन्द पैदा करना उसके लिए बहुत कठिन है।” मैं कह सकता हूँ कि अपने जीवन में आनन्द की सबसे सुन्दर और स्वाभाविक अभिव्यक्ति मैंने उन निर्धन लोगों देखी है जिनके पास कुछ नहीं है। मैं उस वास्तविक आनन्द के बारे में सोचता हूँ, जो ऐसे लोगों में देखा गया है, जो अपने व्यावसायिक दबावों में रहते हुए भी अपनी सादगी और निर्लिप्तता में अपने विश्वास पूर्ण हृदय को सुरक्षित रख सकें हैं। आनन्द के इन सभी उदाहरणों का उदगम अपने-अपने तरीके से उस परमेश्वर के असीम प्रेम से प्रवाहित होते हैं जो स्वयं प्रभु येशु मसीह में हम पर प्रकट हुआ है। मैं पोप बनेडिक्ट चौदहवें के इन शब्दों को दोहराते हुए नहीं थकता जो हमें शुभ-समाचार के मर्म तक पहुँचा देते हैं: मसीही होना कोई नैतिक चुनाव अथवा कोई उच्च विचार का परिणाम नहीं है, वरन् एक घटना, एक व्यक्ति की अनुभूति है जो जीवन को एक निर्णायक दिशा देता है, और नए क्षितिज की ओर उन्मुख करता है। 8) धन्यवाद, परमेश्वर के प्रेम इस अनुभव के लिए अथवा इस नई अनुभूति के लिए जो एक समृद्ध मित्रता में विकसित होती है और हमें अपनी संकीर्णता तथा आत्मलिप्तता से मुक्त करती है। हम पूर्ण मानव बन जाते हैं जब परमेश्वर को यह अवसर देते हैं कि वह हमें हमारे अहं से बाहर निकाले ताकि हम अपने अस्तित्व की पूर्ण सच्चाई प्राप्त कर सकें। यही हम शुभ-समाचार प्रचार के अपने समस्त प्रयासों का स्रोत तथा उनकी प्रेरणा को पाते हैं। क्योंकि यदि हमने उस प्रेम को प्राप्त कर लिया है, जो हमारे जीवन को अर्थ प्रदान करता है तो यह कैसे सम्भव है कि हम उस प्रेम को दूसरों के साथ न बाँटें?

Parish Priest

Fr. Lawrence PR

Asst. Parish Priests

Fr. J. John Britto

Fr. Sampath Kumar

&

Dn. Richard

Mass Timings

Saturdays

6.00 (Eng)

Anticipated Mass

Sundays

6.30 am - English

7.30 am - Malayalam

9.00 am - English

10.15 am - Hindi

11.30 am - English

4.00 pm - Hindi

6.00 pm - English

Weekdays

6.30 am - English

1.00 pm - English

6.00 pm - English

* No mass at 1.00 pm
on Saturdays

Sunday Liturgy

10th March 2019

English 9:00am

St. Francis of Assisi

SCC Unit

Hindi 10:15am

St. SHC Youth

SCC MEETING

St. Velankanni Mata SCC Unit meeting at Mr. Theodor Toppo's
house No 94, D, Sect 4, BKS Marg on 7/3/19, at 7:30 pm.

(((SUNDAY READINGS & REFLECTION)))

1st Reading: Sirach 27: 4 - 7

In this passage Sirach affirms that speech is the criterion of judging a person. He says that the defect of a man appears in his speech and the test of a man is in his conversation.

Response Ps: 91

It is good to give you thanks, o Lord.

2nd Reading: 1 Corth 15: 54 - 58

Paul says that sin has been the cause of death. Christ has invaded death's domain and his robbed it of its sting. This is the great victory for which God is to be thanked.

Gospel: Lk 6: 39 - 45

Jesus says that good conduct can come only out of a good heart. It is as foolish to expect good fruit to be produced by bad trees as to expect good deeds from a bad person.

prayer of the faithful

:Lord, remove our spiritual blindness.

REFLECTION

The point of this first image speaks of our daily choices as disciples of Jesus lest we stumble into a pit alongside our blind guide. A corollary is found in Jesus' action of the washing of the feet that emphasizes our discipleship in doing what he taught "If you know these things, blessed are you if you do them." The pointed hyperbole of the second image grows naturally out of what Jesus said in verse 37 about not judging or condemning. The problem with judging is that the person who sets him/herself up as a judge of another person's imperfections is also imperfect. Like the blind leading the blind, the imperfect judging the imperfect leaves something to be desired. Jesus teaches, "By their fruits you will know them" (Mt 7:20), indicating that there is such a thing as proper discernment. The third image of a tree's produce as a natural outgrowth of its character illustrates a parallel principle in our spiritual lives. Our actions are an outward expression of our inward being. Jesus used parables to illustrate lessons to be applied to our lives, if we have eyes to see and ears to hear. We ought to be very careful when we blame others; for we need allowance ourselves. If we are of a giving and a forgiving spirit, we shall ourselves reap the benefit. And the tree is known by its fruits. What do you think about when you sit under the tree of your life of discipleship?

पहला पाठ : प्रवक्ता -ग्रंथ 27 : 4 - 7

प्रवक्ता के प्रस्तुत प्रसंग में मनुष्य की परख की चरचा है। बाइबिल में इस बात पर बहुत बल दिया जाता है कि किसी समय हर मनुष्य की परीक्षा ली जायेगी। मनुष्य जो सोचता है, वह उसकी बात-चीत से प्रकट होता है और उसके आधार पर उसकी परीक्षा होती है।

अनुवाक्य: स्तोत्र 91

हे प्रभु। तुझे धन्यवाद देना अच्छा है।

दूसरा पाठ: 1 कुरिं 15 : 54 - 58

संत पौलुस पाप और मृत्यु में गहरा संबंध मानते हैं। येशु मसीह ने पाप और मृत्यु पर विजय पायी हैं। यही कारण है कि हमें ईश्वर को धन्यवाद देते रहना चाहिए। ईश्वर ने हमें मसीह द्वारा पाप तथा मृत्यु पर विजय प्रदान की है।

सुसमाचार: संत लूकस 6 : 39 - 45

प्रवक्ता-ग्रंथ के अनुसार पेड़ के फल बाग की कसौटी होते हैं और मनुष्यों के वचनों से उनका स्वभाव पता चलता है। येशु यही बात दुहराते हैं। वह कहते हैं हर पेड़ अपने फल से पहचाना जाता है और जो हृदय में भरा है, वही तो मुँह से बाहर आता है।

विश्वासियों के निवेदन

हे पिता, हमारी प्रार्थना सुन।

मनन-चिंतन

इस पहली छवि का बिंदु येशु के चले के रूप में हमारे दैनिक विकल्पों की बात करता है, जैसे एक अंधा दूसरे अंधे को रास्ता नहीं दिखा सकता है। येशु स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि येशु अपने चेलों के पैर धोयें, उसमें एक शवदाह देखा जाता है जो हमारे शिष्यत्व पर जोर देता है जो उसने सिखाया वह जानता है कि यदि आप इन चीजों को जानते हैं तो धन्य हैं यदि आप उन्हें करते हैं। दूसरी छवि के इंगित अतिशयोक्ति स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। न्याय और निंदा न करने के बारे में येशु आज हमसे कहते हैं। न्याय करने में समस्या यह है कि जो व्यक्ति को खामियों के न्यायाधीश के रूप में उसे खुद को स्थापित करता है वह भी अपूर्ण है। अंधों की अगुवाई करने वाले अंधे की तरह अपूर्णता को पहचानने वाला अपूर्ण कुछ छोड़ देता है। येशु सिखाता है उनके फलों से तुम उन्हें जान जाओगे। यह दर्शाता है कि उचित विवेक जैसी कोई चीज है। एक पेड़ की तीसरी छवि उसक चरित्र के प्राकृतिक विस्तार के रूप में हमारे आध्यात्मिक जीवन में एक समानांतर सिद्धांत को दर्शाती है। हमारे कार्य हमारे भीतर की जावक अभिव्यक्ति है। येशु ने दृष्टांतों का उपयोग हमारे जीवन पर लागू होने वाले पाठों को समझने के लिए किया है, यदि हमारे पास देखने के लिए आँखें हैं और सुनने के लिए कान हैं। जब हम दूसरों को दोष देते हैं तो हमें बहुत सावधान रहना चाहिए; क्योंकि हमें स्वयं भत्ते की आवश्यकता है। यदि हम एक देने और क्षमाशील आत्मा के हैं तो हमें स्वयं लाभ प्राप्त करेंगे और वृक्ष अपने फलों से जाना जाता है। जब आप शिष्यत्व के जीवन के पेड़ के नीचे बैठते हैं, तो आप क्या सोचते हैं?

READINGS OF THE WEEK

04/Mon: Sir 17:20-24/ Ps 32:1-7/ Mk 10:17-27
05/Tue: Sir 35:1-12/ Ps 50:5-23/ Mk 10:28-31
06/Wed: Joel 2:12-18/ Ps 51:6-17/2 cor 5:2-6-2/ Mt 6:1-6, 16-18
07/Thu: Deut 30:15-20 / Ps 1:1-6/ Lk 9:22-25
08/Fri: Isa 58:1-9 / Ps 51:3-19/ Mt 9:14-15
09/Sat: Isa: 58:9-14/ Ps 86:1-6/ Lk 5:27-32
10/Sun: Deut 26:4-10, Ps 90: 1-15/ Rom 10: 8-13/
 Lk 4: 1-13



IN THE SACRAMENT
 OF THE EUCHARIST
 WE FIND GOD
 WHO GIVES HIMSELF.

~Pope Francis~



PARISH NEWS

1. Today there will be Parish Council meeting soon after 9am mass. All the members are requested to attend the meeting.
2. Today there will be Altar Servers' meeting soon after 10:15 am Hindi Mass. All the Altar Servers are requested to attend the meeting along with their parents.
3. St. Mary's Boys Hostel, Rohtak opens Admission for class V, VI & VII. Entrance Test conducted today at Yusuf Sadan at 2pm. Kindly see the notice board for details.
4. Today the Commission for Women celebrates Women's Day in DCC Hall from 8.30 am to 4.30pm.
5. The Diocesan Community Center Library is organizing Dance classes for all by trained professionals, starting from 5th March, 2019 on every Tuesday, Thursday and Saturday from 4pm to 5pm at DCC Hall.
6. Today the CA of the Sacred Heart Cathedral parish is organizing Election Voter ID enrollment drive after 9 am Mass till 1 pm. Those who don't have Voter ID, please approach parish office.
7. Next Saturday 9th March, 2019 there will be a Church cleaning by St. Mother Teresa, St. Sebastian & Velankanni Mata. All are requested to join us in Church cleaning.

8. Delhi Charismatic Renewal Services is organizing a Lenten Bible Convention in Malayalam named "Nitya Jeevan Bible Convention" from Friday 8th to Sunday 10th March, 2019 from 9am to 5pm at Jeevan jyoti Ashram, Burari led by Rev. Fr. Davis Pattath C.M.I.

9. This year we commence the Holy Season of Lent on the 06th March with the Ash Wednesday. It is a day of fast and abstinence. Masses on the Ash Wednesday will be as per the week day schedule. Kindly note that we won't have the Novena to our Lady of Perpetual Succor on the Ash Wednesday. We also request you to bring back the blessed palm leaves that you took on the last Palm Sunday.

10. During Lenten Season the Way of the Cross will be held at Cathedral on Thursday in Malayalam at 6:45pm on Fridays from 8th March at 5 pm in Hindi and at 6.30 pm in English. On Fridays at Khan Market at 6:30pm. On Tuesday at 2.30pm at Carmel Convent. Collection taken during the service will be for the campaign against hunger and disease.

11. Kindly visit the parish website for more details regarding the parish activities.

12. Many of our parishioners are yet to submit the new membership forms. Kindly submit and collect new membership Card.

Way of the Cross Schedule

**At Cathedral
 Friday**

5:00 pm in Hindi
 6:30 pm in English

**At Khan Market
 Friday**

6:30 pm in Hindi

At Carmel Convent

Tuesday 2:30 pm

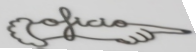
**At Mater Dei School
 Friday**

6:00 pm in Hindi



"Let all bitterness and wrath
 and anger and clamor and slander
 be put away from you, along with
 all malice. Be kind to one
 another, tenderhearted, forgiving
 one another, as God in Christ
 forgave you"

Ephesians 4 29:32



Quiz from St. Luke's Gospel



1. In the days of Herod king of _____, there was a priest named Zechariah of the division of _____; and he had a wife of the daughters of _____, and her name was Elizabeth.

a. *Bethlehem, Aaron, Moses, b. Jerusalem, Moses, Aaron*

c. *Judea, Abijah, Aaron, d. Galilee, Aaron, Abijah*

2. The angel of the Lord spoke the following to Zechariah – “I am _____, who stand in the presence of God, and I have sent to speak to you, and to bring you this good news.”

a. *the Angel of God, b. Gabriel, c. Michael, d. bearer of good news*

3. In the _____ month the angel Gabriel was sent from God to a city of _____ named _____, to a virgin betrothed to a man whose name was Joseph, of the house of David; and the virgin's name was Mary.

a. *fifth, Jerusalem, Galilee, b. sixth, Galilee, Nazareth, c. seventh, Judea, Galilee, d. fourth, Judea, Bethlehem*

4. “And behold, you will conceive in your womb and bear a son, and you shall call his name Jesus. He will be great, and will be called _____, and the Lord God will give to him the throne of his father _____ and he will reign over the house of _____ for ever;”

a. *the Son of the Most High, David, Jacob, b. the Son of God, Abraham, Joseph*

c. *Emmanuel, Jacob, David, d. Saviour, Isaac, Israel*

5. In those days Mary arose and went with haste into the hill country, to a city of _____, and she entered the house of Zechariah and greeted Elizabeth.

a. *Galilee, b. Nazareth, c. Judah, d. David*

6. “For behold, henceforth all generations will call me _____; for he who is mighty has done great things for me, and holy is his name. And his _____ is on those who fear him from generation to generation.”

a. *favoured one, love, b. mother of God, kindness, c. blessed, mercy, d. holy, salvation*

7. For how many months did Mary remain with Elizabeth?

a. *four, b. three, c. six, d. nine*

8. And his father Zechariah was filled with the Holy Spirit, and prophesied saying, “Blessed be the Lord God of _____, for he has visited and redeemed his people, and has raised a horn of salvation for us in the house of his servant _____.”

a. *David, Abraham, b. Israel, Moses, c. Abraham, Moses, d. Israel, David*

9. In those days a decree went out from Caesar _____ that all the world should be enrolled.

This was the first enrollment, when _____ was governor of _____.

a. *Augustus, Quirinius, Syria, b. Augustine, Pilate, Judea, c. Annas, Herod, Galilee,*

d. *Quirinius, Augustus, Judea*



Francis J. Tunias



R.T.

Mob.: 9818136106

7011364736

Lovely: 9871425079

Specialist in Wedding Cakes

Confectioners & Caterers
with All Kinds of Parties & Events

Shop No 1, Double Story Mehar Chand Market
Lodhi Road, New Delhi-110003

6/22-C, Sarai Kale Khan,
D.D.A. Flats,
New Delhi - 110013



ARCHBISHOPS ANGELO-ALAN AID FOR THE ELDERLY



An initiative by Chetanalaya,

Social action wing of the Archdiocese of Delhi



Goal: To help 60 elderly who are in need

(1 Jan - 31 Dec, 2019)

OLD to GOLD CAMPAIGN

Donate the old News papers/
other papers at the box
kept near Maria Bhawan
Sacred Heart Cathedral
or inform

Fr. John Britto (8377820980)



Contact Us: **Chetanalaya**, 9-10 Bhai Vir Singh Marg,
New Delhi-1Ph:011-23744308; 8377820980
chetanalaya@gmail.com www.chetanalaya.org.in

This issue is sponsored by David Ifeanyi & Assumpta Eze